(श्री वी. डी सिंह)

द्वारा भी जनता द्वारा बराबर मांग होती रही है। परन्तु अभी तक कोई परिणाम नहीं निकल सका है। एक्सप्रेस ट्रेन चलाने के लिए आवश्यक परिस्थितियों का यदि आकलन कराया जाये तो वे पूर्णतया अनुकूल ही होंगी।

अतएव मैं माननीय रेल मंत्री से निवेदन करुंगा कि इलाहाबाद फैजाबाद के बीच शीघ्र ही एक एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की व्यवस्था की जाय जो बीच में केवल प्रताप गढ़ एवं सुल्तानपुर जनपदों के मुख्यालयों पर रुके।

श्री मनीराम बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, 377 का जवाब मंत्री लोग नहीं देते हैं।

अध्यक्ष महोदय : नहीं, देते हैं।

श्री राम विलास पासवान : कभी नहीं मिलता है।

MR. SPEAKER : I got the information. Out of 382, 268 had been replied.

(ii) Need to provide drinking water in Sahdol, Satna and Rewa districts of Madhya Pradesh.

श्री दलबीर सिंह (शहडोल) : अध्यक्ष महोदय, नियम 377 के अन्तर्गत में निम्नलिखित विषय की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं :

मध्य प्रदेश के 45 जिलों में से आधे से अधिक जिलों में वर्षा न होने के कारण उन जिलों में अकाल की भयावह स्थिति उत्पन्न हो गई है। विशेषकर रीवा संभाग में उन सभी चारों जिलों में वर्षा न होने से पीने के लिए पानी की विशेष कठिनाई अभी से उत्पन्न हो गई है। शुरु में थोड़ा वर्षा होने से जो बोनी की गई थी वह भी सूख गई है इस से सूखे की स्थिति स्पष्ट सामने दिखाई दे रही है।

अतः भारत सरकार से निवेदन है कि रीवा संभाग के उन सभी चारों जिलों, जिला शहडोल सीधी, सतना व रीवा के लिए राहत कार्य हेतु पर्याप्त राशि स्वीकृत की जावे व साथ ही म. प्र. शासन को निर्देश किया जावे कि पीने के पानी की समुचित व्यवस्था करे।

(iii) Central assistance to Government of Rajasthan for repairing roads damaged by army exercises.

श्री वृद्धि चन्द्र जैन (बाड़मेर) : अध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अन्तर्गत निम्न विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूं :

प्रतिवर्ष सर्दियों में जनवरी एवं फरवरी में थल सेना का अभ्यास राजस्थान प्रान्त के सीमावर्त्ती बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर बीकानेर एवं गंगा नगर जिलों में होता है, जिस में मिलिटरी के बड़े वाहनों जीप ट्रकों एवं ट्रैक्टरों आदि का प्रयोग होता है जिस के कारण प्रतिवर्ष राज्य की सड़कों का करोड़ों रुपयों का नुकसान होता है। थल सेना एवं सीमावर्त्ती सड़क संस्था उन क्षतिग्रस्त सड़कों की कोई मरम्मत एवं सुधार नहीं करती और राज्य भी सीमित साधनों के कारण उक्त सड़कों की मरम्मत एवं सुधार नहीं कर पाता जिस के कारण आवागमन बन्द हो जाता है और सीमावर्त्ती क्षेत्रों की जनता को बड़े संकट का सामना करना पड़ता है। यह समस्या हर साल बनी रहती है।

इस बारे में मैंने लोक सभा प्रश्नों, एवं रक्षा मंत्री का ध्यान पत्रों द्वारा आकर्षित किया और गत वर्ष यानि 1983-84 में राजस्थान सरकार के सार्वजनिक निर्माण के अधिकारियों एवं

थल सेना के प्रतिनिधि कमान्ड के अधिकारी प्रतिनिधि क्षतिग्रस्त सड़कों का संयुक्त निरीक्षण किया और निम्न नुकसान का तखमीना (एस्टीमेट) किया :-

जोधपुर जिला	—53.52 लाख
बाड़मेर जिला	—40.86 लाख
जैसलमेर जिला	—34.77 लाख
कुल	129.15 लाख

बीकानेर एवं गंगा नगर जिलों की सड़कों के नुकसान का तखमीना नहीं किया।

अतः केन्द्र सरकार के रक्षा मंत्रालय से आग्रहपूर्वक निवेदन है कि राजस्थान सरकार को तुरन्त से तुरन्त 129.15 लाख की राशि अदा करें ताकि क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत एवं सुधार का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा सके और भविष्य में प्रति वर्ष केन्द्र एवं राज्य सरकार के प्रतिनिधि अभ्यास समाप्त होते ही क्षतिग्रस्त सड़कों का तखमीना कर मार्च माह में ही केन्द्र सरकार नुकसान की राशि राज्य सरकार को अदा करे ताकि समय पर क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत एवं सुधार का कार्य सम्पन्न हो सके।

(iv) Need to extend 49 UP and 50 DN Sabarmati shuttle running between Ahmedabad and Sabarmati upto Kadi.

श्री मोती भाई ग्रार. चौधरी (मेहसाना) : मैंने संसद के पिछले सत्र में वेस्टर्न रेलवे में अहमदाबाद और साबरमती के बीच चल रही 49 अप 50 डाउन साबरमती शटल को आगे कड़ी तक चलाने की मांग की थी। रेल मंत्री जी और रेल अधिकारियों को भी इस बारे में पत्र लिखा था। यह सब कुछ करने पर भी यह गाड़ी कड़ी तक चलाने की संभावना नहीं है। ऐसा मुझे जवाब मिला था और इनके थोड़े दिन के बाद हमारे आश्चर्य के बीच यह गाड़ी को कड़ी तक नहीं पर कलोल तक तो आगे बढ़ाई गई। कड़ी और अहमदाबाद के बीच हर रोज की दो गाड़ियां/ही चलती हैं। जब कि कलोल और अहमदाबाद के बीच 15 से अधिक गाड़ियां चल रही हैं। इसका मतलब है कि यह गाड़ी कड़ी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जो कि कलोल वालों ने भी इसकी मांग की थी कड़ी के इर्द गिर्द के 50 हजार की आबादी के लिए यह गाड़ी बहुत महत्व रखती है और अहमदाबाद जाने के लिए रेल की ओर से जिनको अब बहुत कम सुविधा मिल रही है। ऐसे विस्तार के लोगों की यह वाजिब बात न मानी जाने से वहां बहुत रेल के प्रति दुर्भावना पैदा हुई है और जोरों का आंदोलन होने की संभावना है। रेलवे तंत्र कड़ी में इंजिन घुमाने की और इंजिन में पानी भरने की सुविधा भी है। अतः मेरी माननीय रेल मंत्री जी से प्रार्थना है कि अहमदाबाद जाने की इस ट्रेन को कड़ी तक कर दें।

(v) Need for rehabilitation of the villagers of Danapur, Digha and Manor in Patna affected due to breaches in rivers.

रामावतार शास्त्री (पटना) : बिहार में एक तरफ बाढ़ की विभषिका कहर ढा रही है तो दूसरी ओर हजारों व्यक्ति गंगा तथा दूसरी नदियों के कटाव के कारण निराश्रित होकर मारे मारे फिर रहे हैं।

पटना ज़िले के दानापुर, दीधा तथा मनेर के दियारा क्षेत्र के दर्जनों ग्राम या तो गंगा नदी के पेट में चले गये या कटाव के शिकार हैं। मेरे निर्वाचन क्षेत्र पटना के दानापुर और